खुशी खुशी

कक्षा ३

--------------------- की किताब

उदयपुर
(रा.ज.)
29/10/05

मेरे जानवर

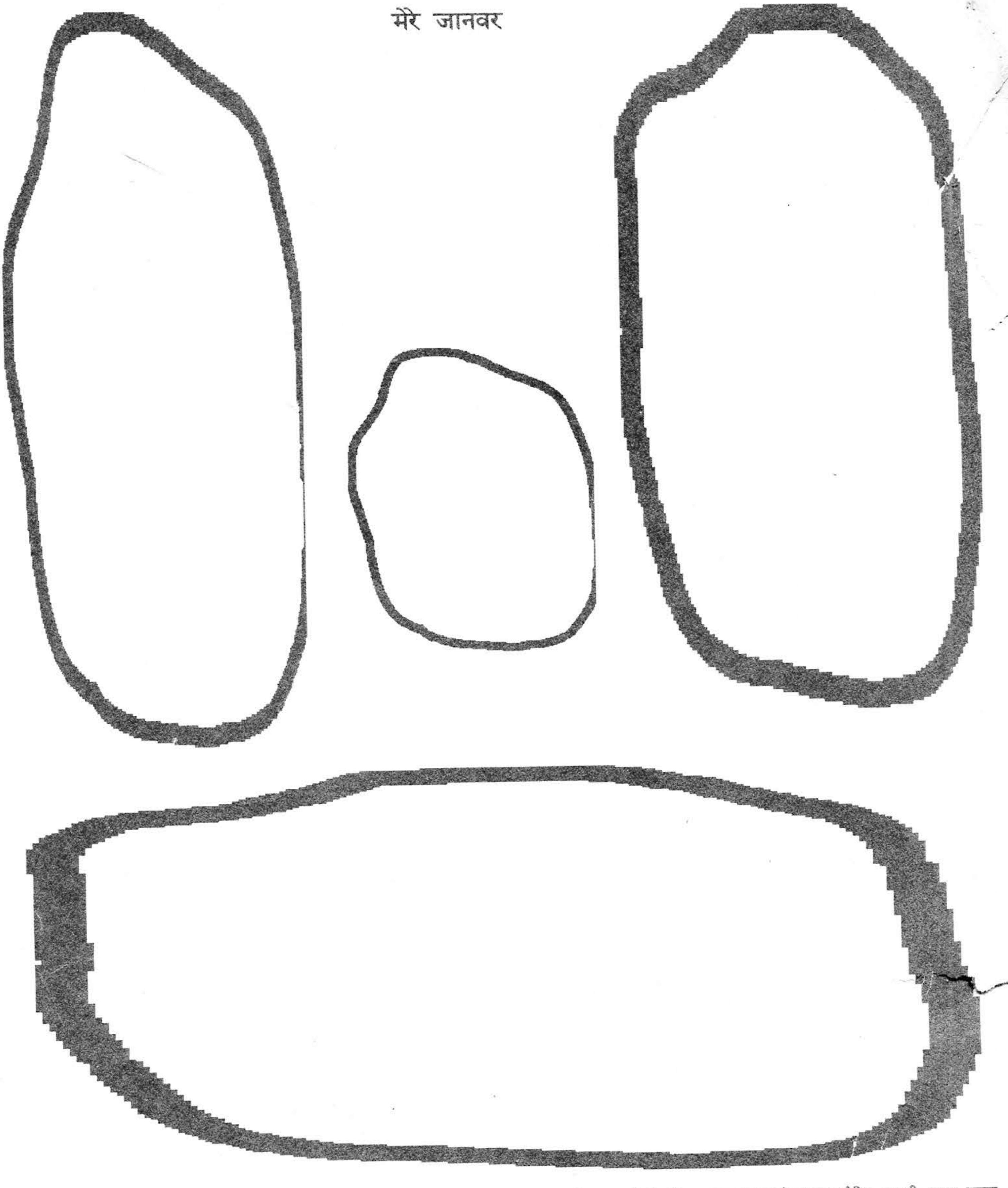

मध्य प्रदेश शासन के आदेश क्रमांक 46—2/89—3/20 दिनांक 29 जून 1989 के तहत चयनीत शालाओं के लिए एकलव्य द्वारा तैयार यह शैक्षिक सामग्री, पाठ्य पुस्तक निगम द्वारा प्रकाशित एव अनुपम मुद्रण, द्वारा मुद्रित।

हाथ नापो

पन्ने पर हाथ रखो। अब पेंसिल से
अपने हाथ का चित्र बनाओ।
जैसे यहां पर दिया हुआ है।

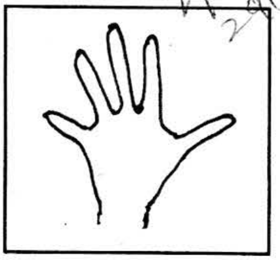

अब एक रस्सी ढूंढ कर लाओ। एक बित्ता नापो।

रेल आई, रेल आई

बच्चों ने झोली लटकाई।

सब बोले हम बैठेंगे

दूर देश को जायेंगे।

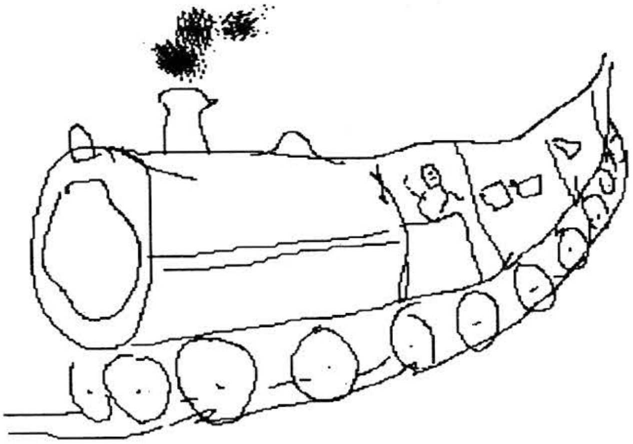

दूर देश में क्या-क्या देखेंगे ?
दूर देश में क्या-क्या खायेंगे ?
किस-किस को साथ ले जायेंगे ?

मां, मकान, खेत, काका, पेड़, लड्डू, पहाड़, कचौड़ी, चाचा, जलेबी, समोसा, झोला, नदी, अंगूर,

साथ ले जायेंगे	देखेंगे	खायेंगे
मां	मकान	लड्डू

दूर देश का चित्र बनाओ।

रेलगाड़ी से तुम कहां-कहां जाओगे? कौन सी गाड़ी से जाओगे?

इस रेलगाड़ी में बैठने के लिये तुम कहां जाओगे?

रास्ते में कौन-कौन से स्टेशन आयेंगे?

तुम किन-किन साधनों से दूर देश जा सकते हो?

चर्चा करो -

अगर रेलगाड़ी सड़क पर चलने लगे तो क्या-क्या होगा?

तुम्हारे गांव में और दूर देश में क्या-क्या अंतर है?

क्या तुम जानते हो ?

	मेरा स्वाद	मेरा रंग	मेरा आकार	और मेरा छोटा सा प्यारा सा चित्र
आम				
रोटी				
जलेबी				
निबौली				
जाम				
केला				
बाटी				
आलू				
नीबू				
बेर				

शब्द खेल : एक जैसी आवाज के और शब्द सोचो, बोलो, लिखो।

आम	रोटी	आलू	केला
जाम	मोटी	कालू	बेला
नाम	सोटी	भालू	मेला
काम			

तुम भी ऐसे जोड़े बनाओ

चल	चला
मर	मरा
डर	

पीला	पिला
पीटा	पिटा

- केला मीठा होता है। केला लम्बा होता है। केला पीला होता है।
- आम
- बेर

- मीठी, पीली और गोल चीजों का नाम बताओ।
- खट्टी, गोल चीजों को नाम बताओ।
- कड़वी, गोल चीजों को नाम बताओ।

बाहर जा कर कुछ फूल और कुछ पत्तियां इकट्ठी कर के लाओ।

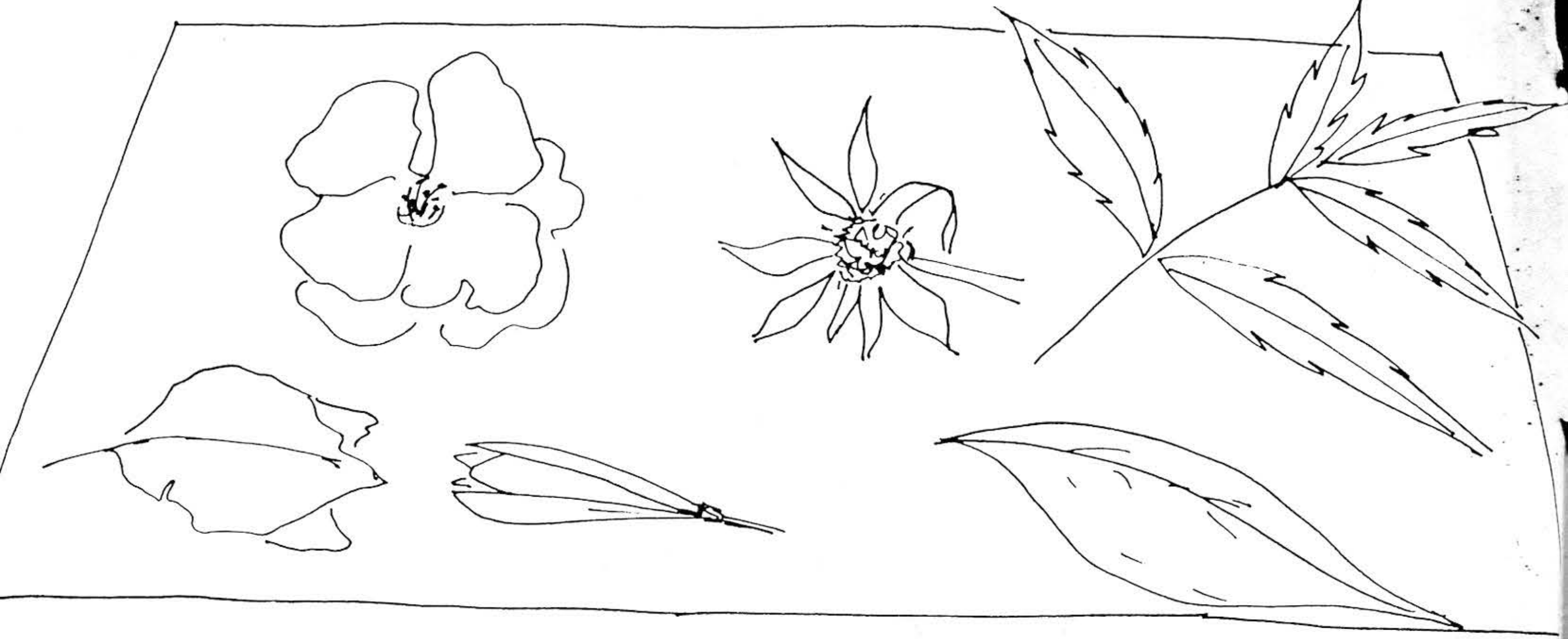

अब उन्हें अलग अलग करो। जैसा नीचे करके बताया है।

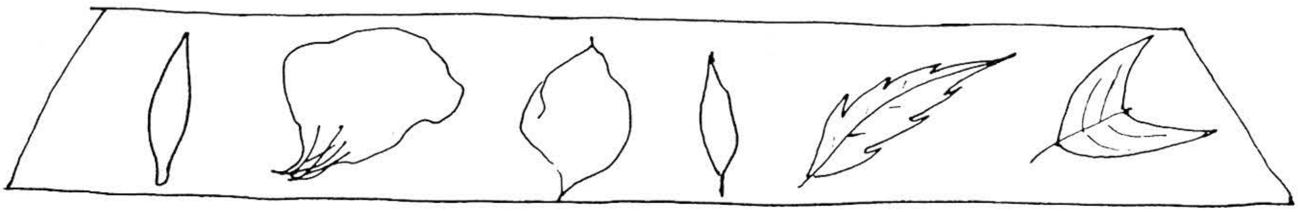

क्या तुम उनसे नई तरह की चीजें बना सकते हो?
कुछ नये फूल या पत्तियों की बिल्ली और मैना?

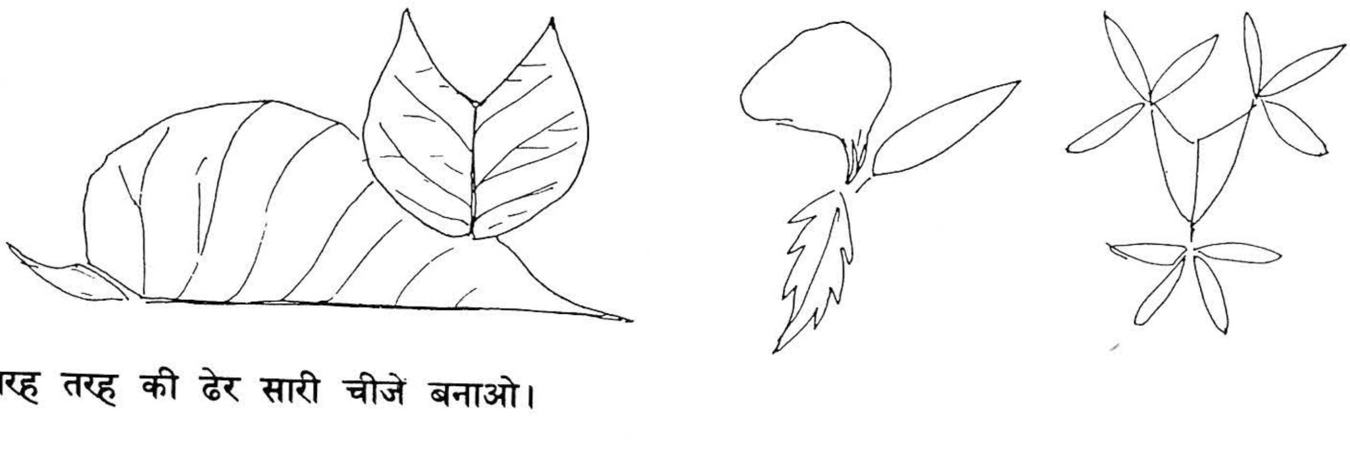

तरह तरह की ढेर सारी चीजें बनाओ।

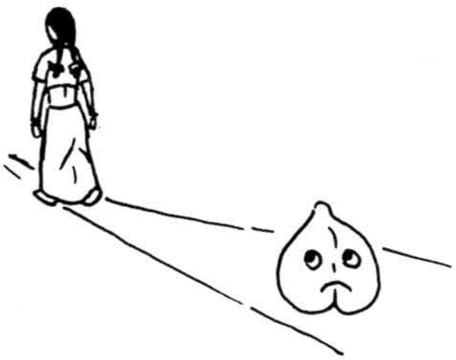

रीतू एक दिन खेत के पास से जा रही थी। उसके पास कुछ चने थे। वह अपने भाई को देने जा रही थी। परंतु एक चना उसके थैले से खेत में गिर गया। रीतू आगे चली गई।

जब चना खेत में गिरा तो उसे बहुत डर लगा। फिर हवा ने उस चने के ऊपर मिट्टी डाल दी। तभी ऊपर से खूब पानी बरसा। पानी ने कहा - डरो नहीं। यह सुनकर चने का डर कुछ कम हुआ।

तभी चने को लगा कि उसके अंदर कुछ हो रहा है। उसने देखा कि उसके अंदर से एक अंकुर निकल रहा है।

धीरे धीरे एक दो दिन में अंकुर मिट्टी को हटाकर बाहर निकलने लगा। फिर धीरे धीरे बढ़ने लगा। चने ने धरती के अंदर ही महसूस किया कि अंकुर बढ़ कर झाड़ बन रहा है। उसमें पत्ती भी आ रही है। और वह बाहर की दुनिया को देख कर खुश है।

चना यह जानकर के खुश हुआ। वह धीरे धीरे अपनी सारी शक्ति अंकुर और पौधे को पहुंचाने लगा। जिससे पौधा बाहर की दुनिया देख सके।

धीरे धीरे मिट्टी के अंदर चने की शक्ति खत्म हो गई। और उसके पौधे को पकड़कर रखने के लिये एक जड़ नीचे आ गई। पर तब तक मिट्टी के ऊपर जो पौधा लगा था वह खुद ही अपने को सम्हालना सीख गया। अब हवा आते ही वह खुश हो कर अपनी पत्तियों को हिलाकर खुशी प्रकट करता।

एक दिन पौधा जब सोकर उठा तो उसने देखा कि उसकी शाखाओं पर छोटे छोटे बैंगनी रंग के कुछ फूल लगे हैं। अरे वाह, पौधा तो खुशी से झूम उठा। उसकी पत्तियों पर भी मोती जैसी ओस पड़ी थी।

अब वह सूरज की धूप और हवा में खूब लहराता। पौधे में कुछ दिनों बाद फिर बदलाव आया। अब फूल की जगह घुंघरु सा कुछ लटक रहा था। पौधा आश्चर्य-चकित था। तभी घुंघरू के अंदर जो छोटा सा हरा-हरा चना था वो बोला -- घुंघरू के अंदर मैं हूं। पौधा बोला, कौन? घुंघरू से आवाज़ आई -- जो तुम थे।

कुछ दिनों बाद जब रीतू लौटी तो उसने देखा कि रास्ते में एक नन्हा पौधा हाथ हिलाकर उसे बुला रहा था। रीतू ने पूछा -- तुम कौन हो? पौधा बोला -- भई वाह, मुझे भूल गई। मैं ही तो वह चना हूं जिसे तुमने गिराया था। रीतू आश्चर्य से पौधे को देखती रही और फिर बोली -- अच्छा तो तुम ही हो वो।

कुछ बीज लो। उन्हें स्कूल के पास बो दो। इस जगह को हर रोज पानी दो। कितने दिन के बाद पौधा जमीन से निकला ?

हर रोज पौधे को देखो और उस का चित्र बनाओ

क्रम से जमाओ :

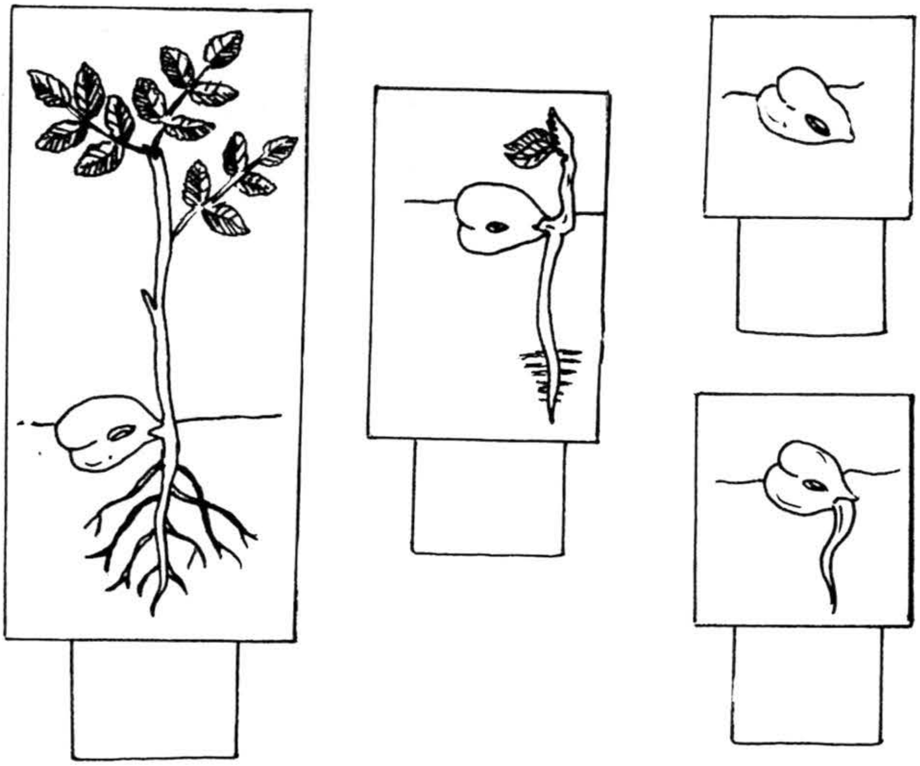

चना	नाच
पाना	
पकी	कीप
पापी	पीपा
लगा	
राधा	
लाना	
लामा	

लालाजी लड्डू दो

लालाजी, लालाजी
एक लड्डू दो।
लड्डू जो चाहिये
तो चार आने दो।

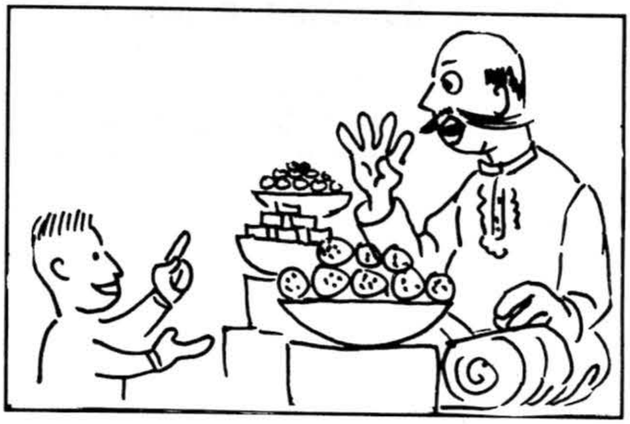

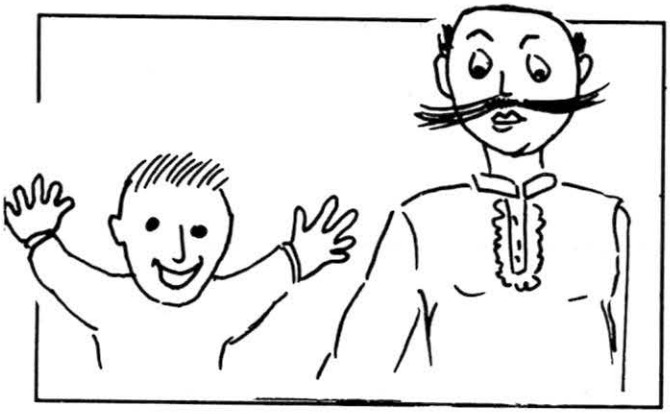

लालाजी, लालाजी
पैसे नहीं।
पैसे नहीं हैं
तो लड्डू नहीं।

लालाजी, लालाजी
आपकी मूंछें
कितनी लम्बी हैं,
आपकी मूछें
कितनी प्यारी हैं,
आपकी मूछें
कितनी सुन्दर हैं।

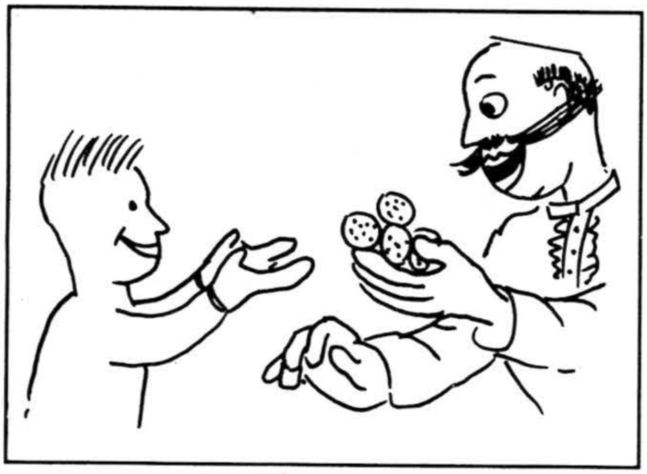

बेटा जी, बेटा जी
इधर आओ।
चार लड्डू
चाहिये तो
चार लड्डू लो।

लाला जी की दुकान पर इन में से तुम क्या-क्या खरीद सकते हो?

जलेबी, तौलिया, समोसा, साबुन, अखबार, नमकीन, मटका, पपीता, लड्डू कटोरी, घडी, चाय, पोहे, फुग्गे, गंजी, मंगौडे, कचौडी

_ _

अगर लाला जी की मूंछें नहीं होतीं तो वे कैसे दिखते? चित्र बनाओ।

बगैर मूंछ के लाला जी	**दाढ़ी वाले लाला जी**

'लाला जी' शब्द कहां-कहां आया है? उसके नीचे लाइन खींचो और गिनो।

मूंछें और लड्डू कहां-कहां आये हैं? उन पर गोले लगाओ और गिनो।

जहां-जहां लाला जी का चित्र बना है उसके नीचे लाला जी लिखो।

लाला जी ने लड्डू देना क्यों मान लिया?

\- - - - - - - की मूंछें बहुत लम्बीं और - - - - - हैं।

लड़के ने कितने लड्डू लिये होंगे? - - - - -

लड्डू के अलावा चार और मिठाइयों के नाम लिखो।

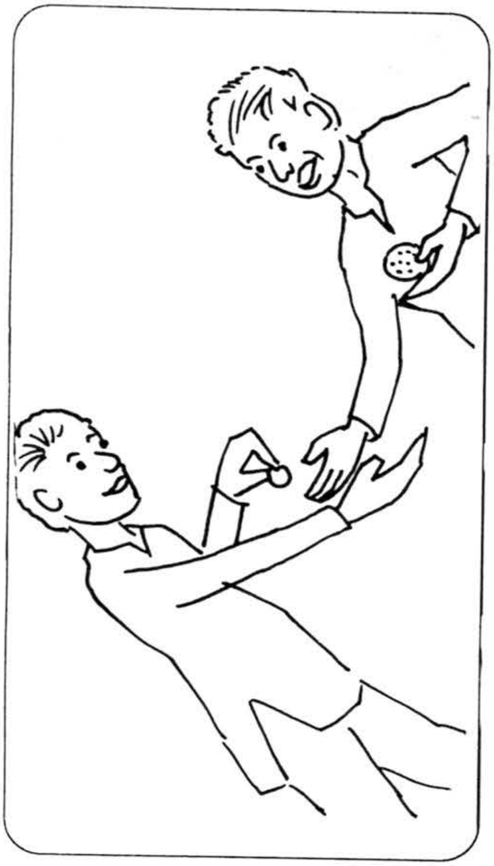

एक लड्डू चाहिये तो चार आने दो

अगर एक लड्डू चार आने का हो,

तो दो लड्डू आठ आने के होंगे।

तो तीन लड्डू   के होंगे।

तो छह लड्डू   के होंगे।

चार आने लाओ तो एक लड्डू लो

आठ आने लाओ तो   लड्डू लो।

बारह आने लाओ तो   लड्डू लो।

एक रुपया लाओ तो   लड्डू लो।

बीज
और
चींटी

एक चींटी और एक बीज में बहुत अच्छी दोस्ती है। चींटी को एक नमक का ढेला मिला है। वो उसे बीज के लिये ले जा रही है। चींटी के बिल में कई रास्ते हैं -- कुछ बंद, कुछ खुले। चीटी को खुले रास्तों से ही बीज तक पहुंचना है।

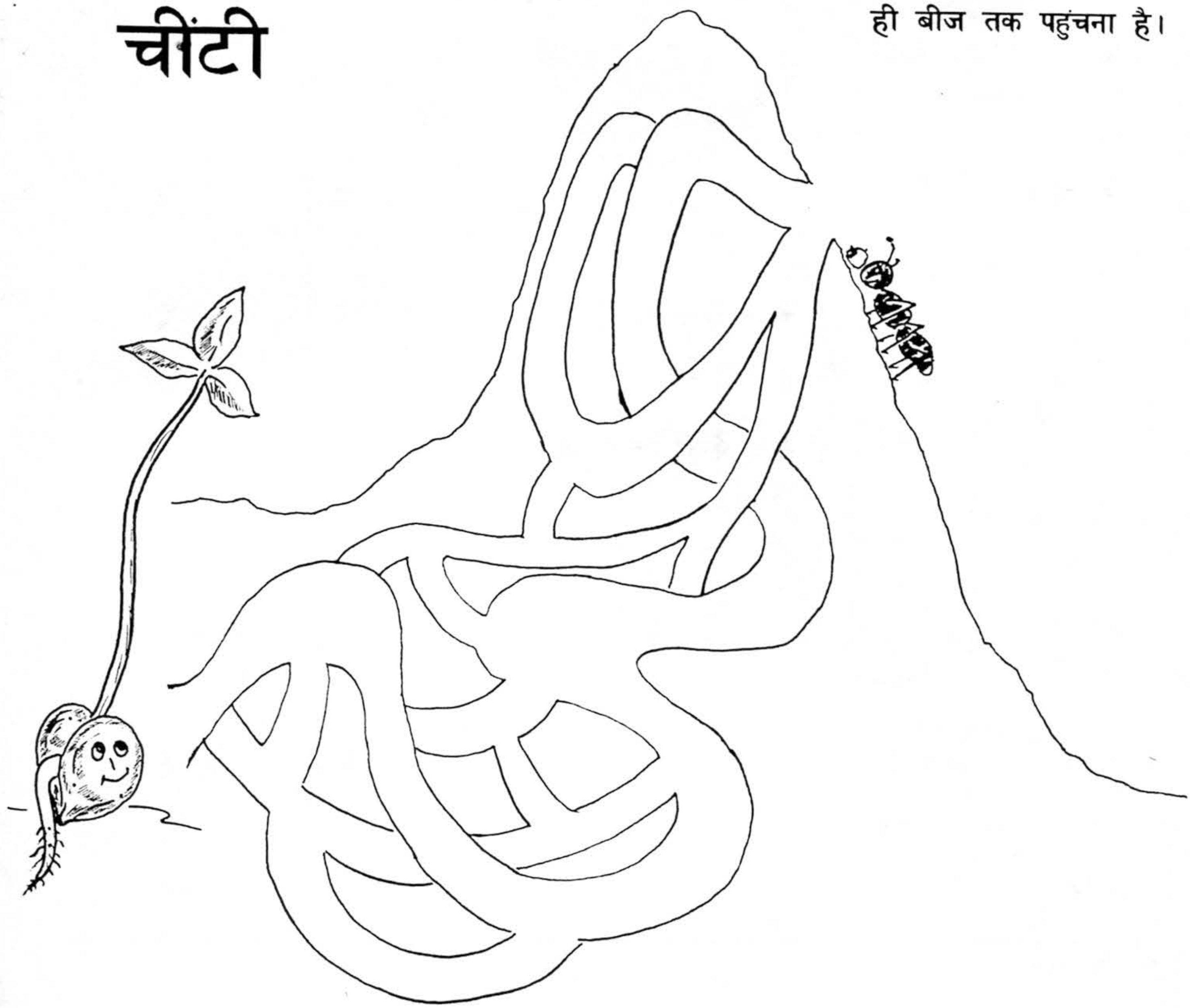

बीज भी चींटी की राह देख रहा है। बताओ चींटी किन-किन रास्तों से बीज तक पहुंच सकती है। उन रास्तों को रंगो।

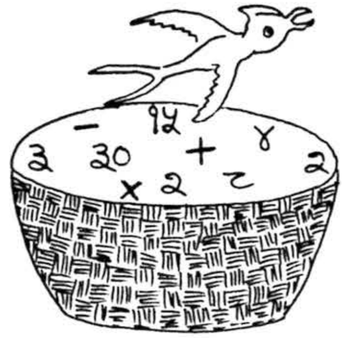

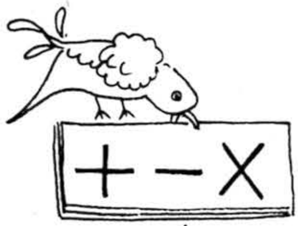

४ × [२] = ८

४ + [ ] = ८

३ × [ ] = ९

५ × ३ = [ ]

१० × ३ = [ ]

५ + [ ] = १३

१० × [ ] = २०

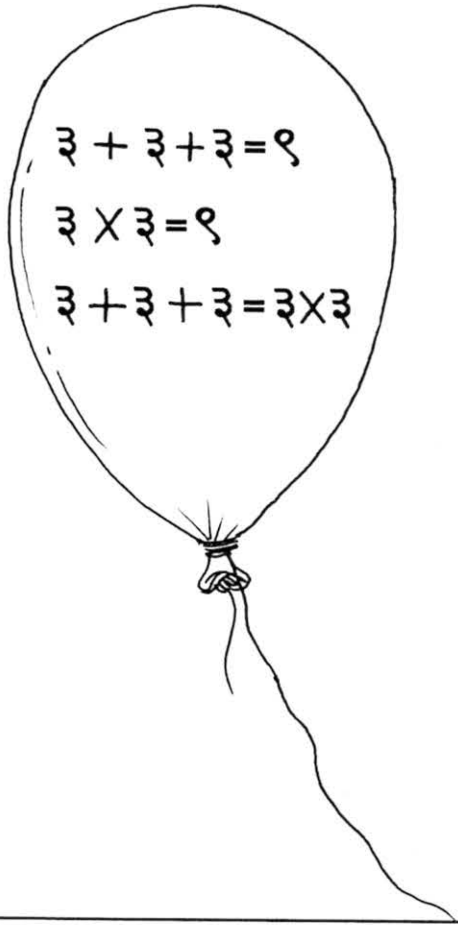

३ [ ] ४ = १२

२ [ ] ४ = ६

९ [ ] ३ = ६

३ [ ] ३ = ६

३ [ ] ३ = ९

५ [ ] २ = १०

५ [ ] ५ = १०

देखो और करो -

३ + ३ = ६	४ + ४ = ८	५ + ५ = १०
३ × २ = ६	४ × २ = ८	[ ]
३ + ३ = ३ × २	[ ]	[ ]

फूल

तुम्हारे आस-पास कौन कौन से फूल होते हैं ? सब फूलों के नाम मालूम करके नीचे लिखो।
अपनी पसंद के फूलों का चित्र भी बनाओ।

हवा में हिलता **लाल** फूल,
सिर उठाकर झूलम झूल।

पीला फूल तो उड़ चला
अलबला वल चलबला।

टपक रहे हैं फूल **सफेद**
जाने उनका क्या है भेद।

इन नामों में से *लाल* फूलों के नाम अलग लिखो। *पीले* फूलों के नाम अलग लिखो। और *सफेद* के अलग।

लाल फूल	पीले फूल	सफेद फूल	रंग-बिरंगे फूल

तुम्हें सबसे अच्छा कौन सा फूल लगता है ? उसका चित्र बनाओ.

पेड़ और पत्ते

नीचे के चित्रों में -
कहां-कहां पर है घास?
कहां-कहां पर है झाड़ियां?
और कितने है पेड
उन पर निशान लगाओ -
पेड़ पर झाड़ी पर घास पर

तुम्हारे आसपास कौन-कौन से पेड़ हैं? उनके नाम लिखो।

कांटे वाले पेड़ कौन-कौन से हैं?

कांटे वाली झाड़ियां कौन-कौन सी हैं?

सबसे लंबे कांटे कौन से पेड़ के हैं?
सबसे लंबे कांटे कौन सी झाड़ी के हैं?

पीपल का पत्ता कैसा दिखता है?
नीचे चित्र बनाओ।

मक्के का पत्ता कैसा दिखता है?
नीचे चित्र बनाओ।

पट्टी पर और भी पत्तों के चित्र बनाओ।

क्या तुमने देखा है -

जब ये पत्ते उगते हैं तो किस रंग के होते हैं?

नये पत्ते किस मौसम में उगते हैं?

अलग-अलग तरह के बहुत सारे पत्ते ढूंढ के लाओ। इनमें से कौन से नुकीले हैं? कौन से गोल हैं? नीचे लिखो।

पीपल	बरगद

तुम्हारे पास जो पत्ते हैं उनके किनारे देखो कौन से हैं ?
और कौन से ?

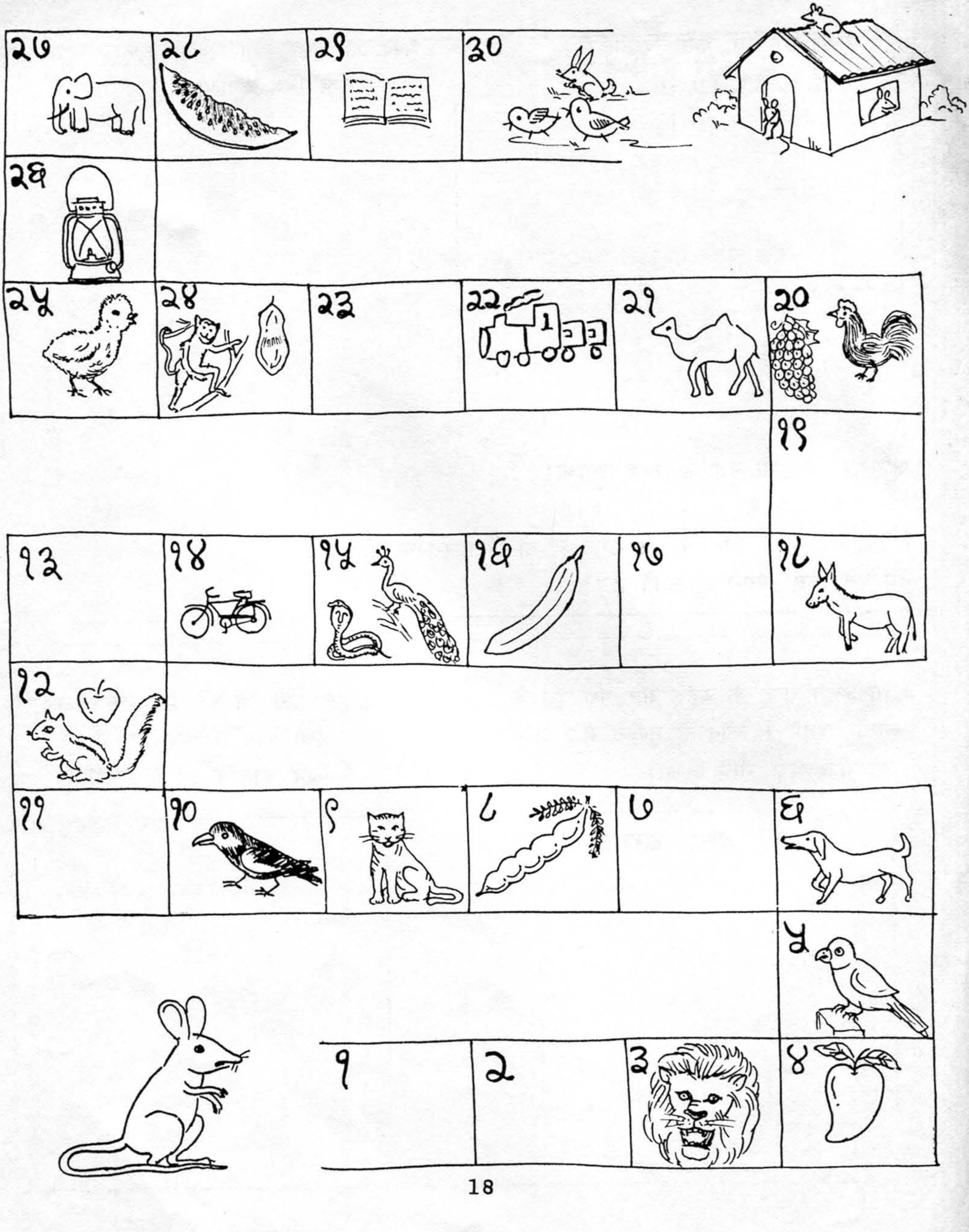
२७
२८
२९
३०
२६
२५
२४
२३
२२
1
२१
२०
१९
१३
१४
१५
१६
१७
१८
१२
११
१०
९
८
७
६
५
१
२
३
४

कौन कौन से डिब्बे खाली हैं   नीचे उनके अंक भरो

इस रास्ते में किन-किन अंकों पर क्या-क्या बना है? नीचे की तालिका भरो।

जानवर

नाम	*अंक*	
शेर	३	३ × १
कुत्ता	६	३ × २

फल

नाम	*अंक*	
आम	४	४ × १
इमली	८	४ × २

२८ में चार जोड़ोगे तो क्या उत्तर आयेगा

चिड़िया

नाम	अंक

झटपट करो

रेल से चार डिब्बे आगे क्या है ?

खाली डिब्बों में फूल बनाओ

बजाने वाला	बाजा
बंदर	बांसुरी

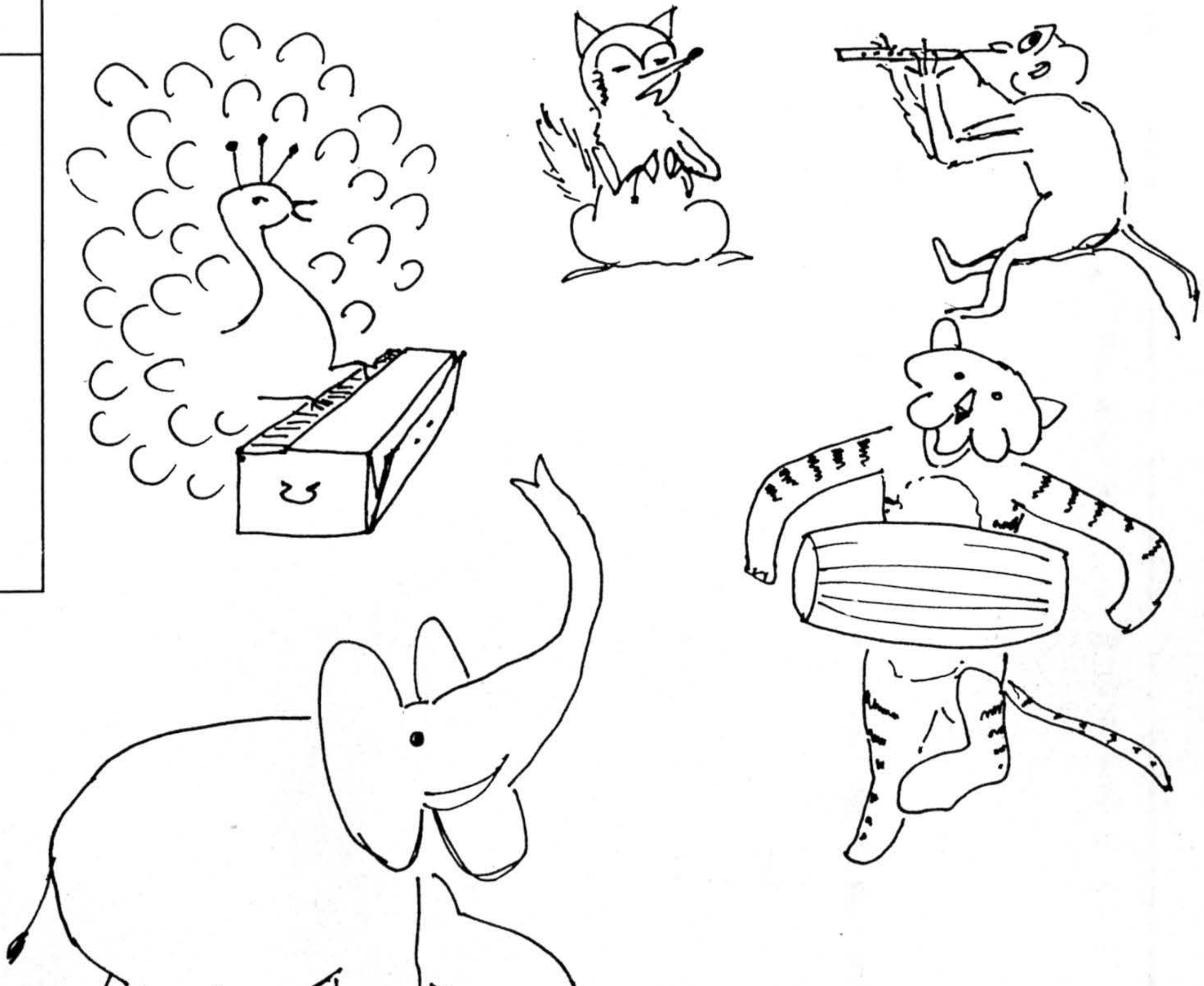

इस चित्र में तुम और बाजे
जोड़ सकते हो, बजाने वाले जोड़ सकते हो?

सामने के पन्ने वाली कविता में से
अपनी पसंद के तीन जानवरों का चित्र बनाओ।

कविता में

- भौंरा क्या करेगा?
- चिड़िया क्या करेगी?
- मेंढक क्या करेगा?
- शेर क्या करेगा?

तुमने कौन से बाजे सुने हैं? उनकी आवाज पहचान सकते हो?

बाजे का नाम	आवाज
तबला	टक, टक, टक
घंटी	टिन्न, टिन्न

- कविता में कौन-कौन से जानवरों के नाम आये हैं?
- सभी जानवर क्यों गा-बजा के नाच रहे हैं?
- अगर तुम वहां होते तो क्या करते?

तुमने किसी को गाना गाते हुए सुना है क्या? कहां पर सुना है? वो लोग कब गाना गा रहे थे? कौन से गाने गा रहे थे? याद है तो उन गानों के नाम बताओ। उन गानो को गाओ। अगर पूरा आता है तो लिखो भी।

ये भी बताओ कि तुम्हें कौन सा गाना सबसे अच्छा लगता है?

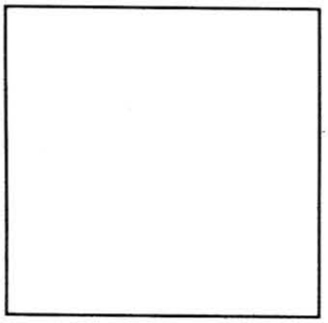

इस चौकोर को दो बराबर हिस्सों में बांटो।

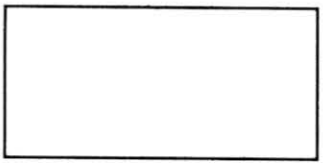

अब इसको दो बराबर हिस्सों में बांटो।
बड़े चौकोर के कितने हिस्से हो गये?

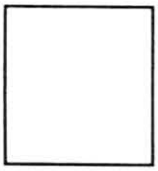

इसको भी दो बराबर हिस्सों में बांटो।
अब बड़े चौकोर के कितने हिस्से हो गये?

इसको भी दो बराबर हिस्सों में बांटो।
अब बड़े चौकोर के कितने हिस्से हो गये?

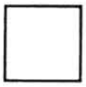

बड़ा चौकोर बनाने के लिये ऐसे कुल कितने हिस्से जोड़ने पड़ेंगे?

अब हर चौकोर में कोई चित्र बनाओ

गजानन की बाड़ी
गुरूजी की गाड़ी
सूखे बाई की साड़ी

सन्तू का घर
जहां भैंसे का डर

खुला खुला मैदान
जहां भैया थूकें पान

बेर का पेड़
लल्ला जी की भेड़
लंबे खेत की मेढ़

तुमरे स्कूल के सामने क्या-क्या है?
पीछे क्या है और दोनों तरफ क्या है?
चित्र बनाओ।

मां

ये है गबरू की मां,
ये है जबरू की भी मां,
हा, हा, हा। हां, हां, हां।

मां पका रही है रोटी।
कुछ ही देर में
हम सब खायेंगे रोटी -
छोटी मोटी लोटी पोटी कोटी सोटी रोटी -
हम सब खायेंगे रोटी
हा, हा, हा। हां, हां, हां।

क्या मां ही रोटी बनाती है ?
ना, ना, ना।
बाबा भी बनाते हैं,
गबरू भी बनाती है,
जबरू भी बनाता है।

खाली जगह में रोटी बनाने का चित्र बनाओ

तुम्हारे घर में कौन-कौन खाना बनाता है ?

तुम घर में क्या-क्या खाते हो ? पांच चीजों का नाम लिखो ।

इन में से कौन-कौन सी चीजें कच्ची खा सकते हैं ? उनके नाम डिब्बे में लिखो।

मूली	दलिया	मिर्च
आलू	इमली	सीताफल
खरबूज	चावल	चने

कंघी लेकर भालूमल,

ढूंढा करते जूं।

ढूंढ ढूंढ कर मारा करते जूं।

कविता का नाम लिखो

एक जूं ने हाथ जोड़कर

भालूमल से कहा -

मुझे छोड़ दो, मुझे छोड़ दो

भालूमल दादा।

मैं तुमको रोज खिलाऊं

आलू आधा आधा।

कंघी लेकर भालूमल

ढूंढा करते जूं।

कंघी से भालूमल क्या ढूंढते थे?

जूं ने भालूमल को क्या देने का वायदा किया?

भालूमल जूं क्यों मारते थे?

क्या भालूमल ने जूं को छोड़ दिया होगा?

क्या जूं आलू ला सकती है? तुम्हें क्या लगता है?

आगे बढ़ाओ...

मारा करते	मारते	मारता	आलू	माता
ढूंढा करते	ढूंढते	ढूंढता	कालू	माया
लाया करते	लाते	लाता	चालू	मारा

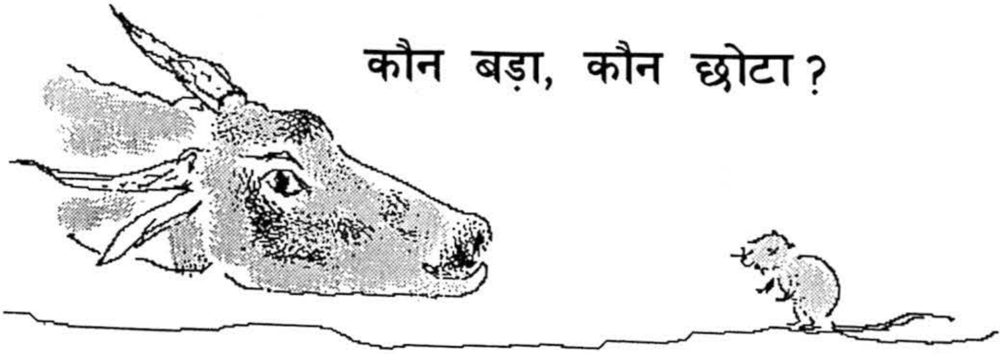

कौन बड़ा, कौन छोटा?

भैंसे जी को लगता है कि चूहे जी बहुत ही छोटे हैं।

पर मक्खी जी कहती हैं कि चूहे जी बहुत ही बड़े हैं।

तो बताओ चूहे जी बड़े हैं कि छोटे हैं ?

अब भैंसे जी से बड़ी और छोटी चीजों का नाम लिखो। इसी तरह चूहे जी और मक्खी जी से बड़ी और छोटी चीजों के नाम भी लिखो।

भैंसे जी से		चूहे जी से		मक्खी जी	
बड़ी	छोटी	बड़ी	छोटी	बड़ी	छोटी

शरीर

हाथ ।

पैर ।

कान ।

मुंह ।

होते हैं शरीर के अंग ।

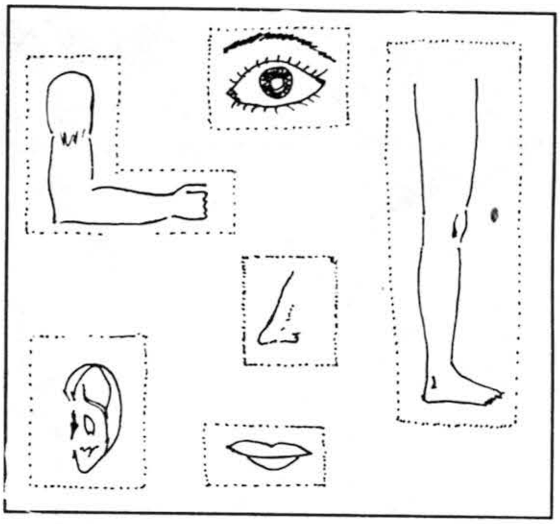

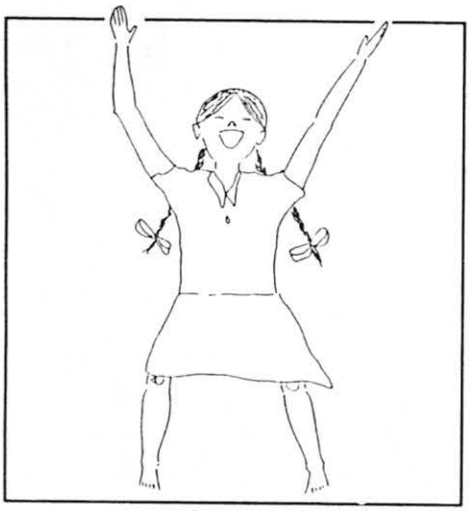

सारे अंग जोड़ कर

बना है शरीर

बने हैं हम।

मुंह आता है काम

बोलने के लिये

और ________________ के लिये।

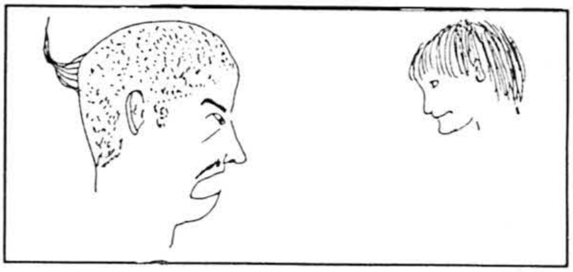

आंख कान नाक का भी अलग अलग है काम।

बोलो जी बोलो जी तुम भी

क्या क्या काम आते हैं

आंख के, कान के, नाक के।

चित्र में क्या-क्या दिख रहा है?

लड़के के हाथ में क्या है?

चित्र में क्या-क्या हो रहा है?

							पशु,पक्षी,कीड़े	पेड़,पौधे,झाड़ी	काम
कौ	स	म	ल	तो	ड़	ता			
वा	ज्ञ	छ	प	ता	जा	गा			
नी	म	ली	की	लो	म	ड़ी			
ब	पी	प	ल	के	री	छ			
हा	ना	पी	टा	ला	से	चू			
र	ह	ता	आ	ख	ब	हा			
ता	ड़	इ	म	ली	ड़	थी			

- *कहानी को पूरा करो*

गोपाल नाम का एक लडका ----------- में रहता था।
वह रोज जंगल में गाय चराने जाता था। गाय का नाम उसने, रम्भा रखा था।
------------- रोज दूध देती थी।
गोपाल के दो दोस्त थे। एक कुत्ता, जिसका नाम कारो था।
और दूसरा था एक कौवा। कौवे का नाम था, ---------------- ।
एक दिन जब गोपाल जंगल में जा रहा था तो उसने एक अजीब चीज देखी।

चित्र में सभी दोस्तों के नाम लिखो।
चित्र में गाय के ऊपर एक मक्खी बनाओ।
चित्र में कौवे के सिर के ऊपर तितली बनाओ।

तुम्हारे ख्याल से कौवा गोपाल से क्या कह रहा है?

गाय, कुत्ते और चींटी को खाते हुए देखो। ये क्या-क्या खाते हैं?

कहानी का नाम लिखो

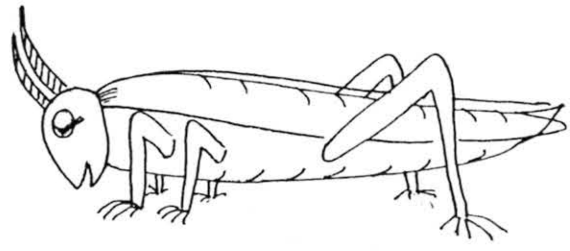

फुदकू टिड्डा बैठा धूप सेंक रहा था।

तभी वहां पर आया छुटकू मेंढक। वो टिड्डे को पकड़ने के लिये कूदा।
पर फुदकू तो जोर से फुदक कर आगे बढ़ गया। छुटकू मेंढक देखता ही रह गया।

तभी वहां आया कल्लू कौआ। वो छुटकू को पकड़ने के लिये कूदा।
पर छुटकू तो फुदकू को पकड़ने के लिये फुदका। पर फुदकू तो
जोर से फुदक कर आगे बढ़ गया। छुटकू और कल्लू देखते ही रह गये।

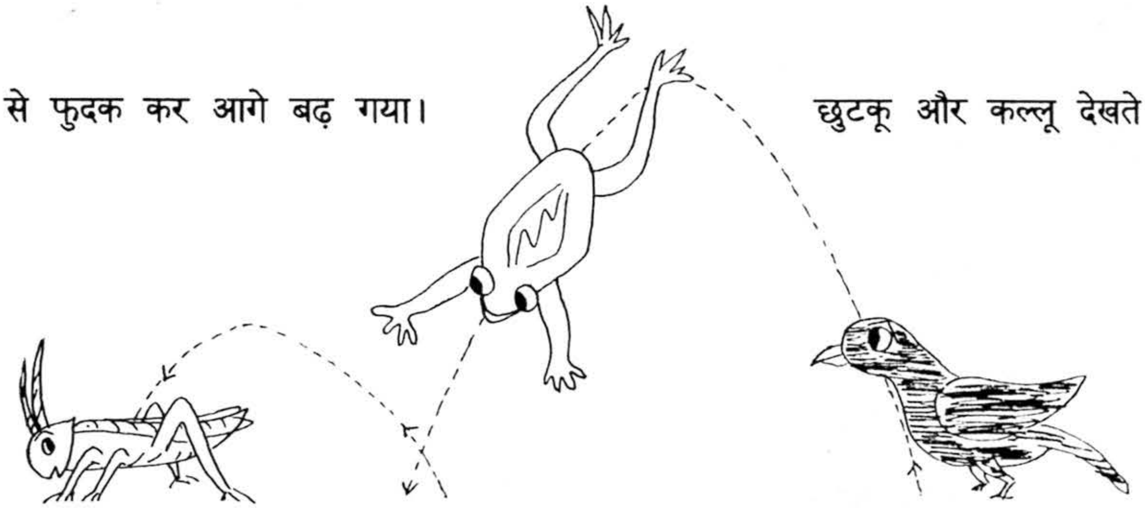

तभी वहां पर आई चबली बिल्ली। बिल्ली कल्लू को पकड़ने के लिये कूदी। पर कल्लू तो छुटकू को पकड़ने के लिये कूदा। पर छुटकू तो फुदकू को पकड़ने के लिये कूदा। और फुदकू तो जोर से फुदककर आगे बढ़ गया।

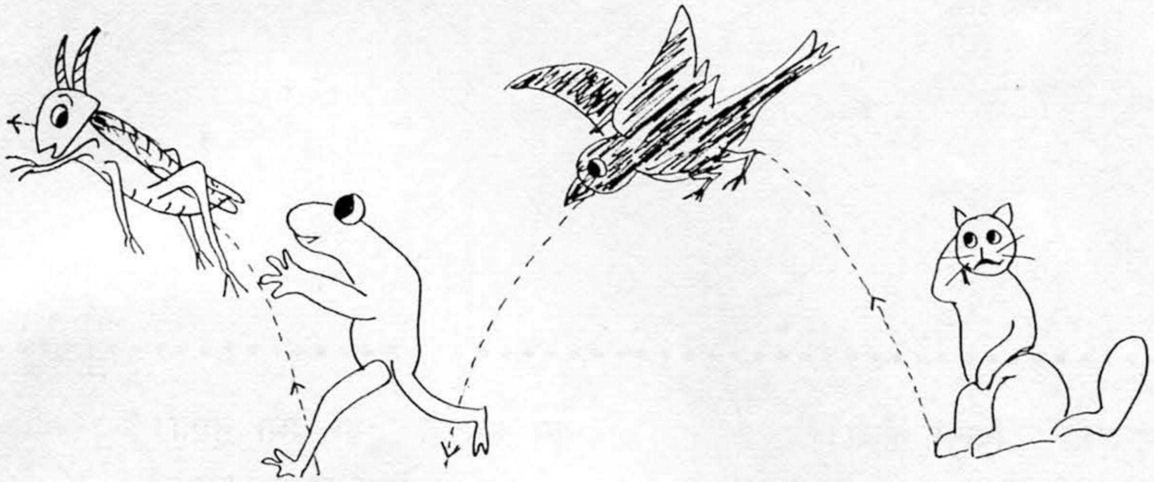

तभी वहां पर आया झब्बू कुत्ता। झब्बू कूदा चबली को पकड़ने के लिये। पर चबली कूदी कल्लू को पकड़ने के लिये। पर कल्लू तो कूदा छुटकू को पकड़ने के लिये। पर छुटकू तो फुदकू को पकड़ने के लिये कूदा। और फुदकू तो जोर से फुदक कर दूर कूद गया।

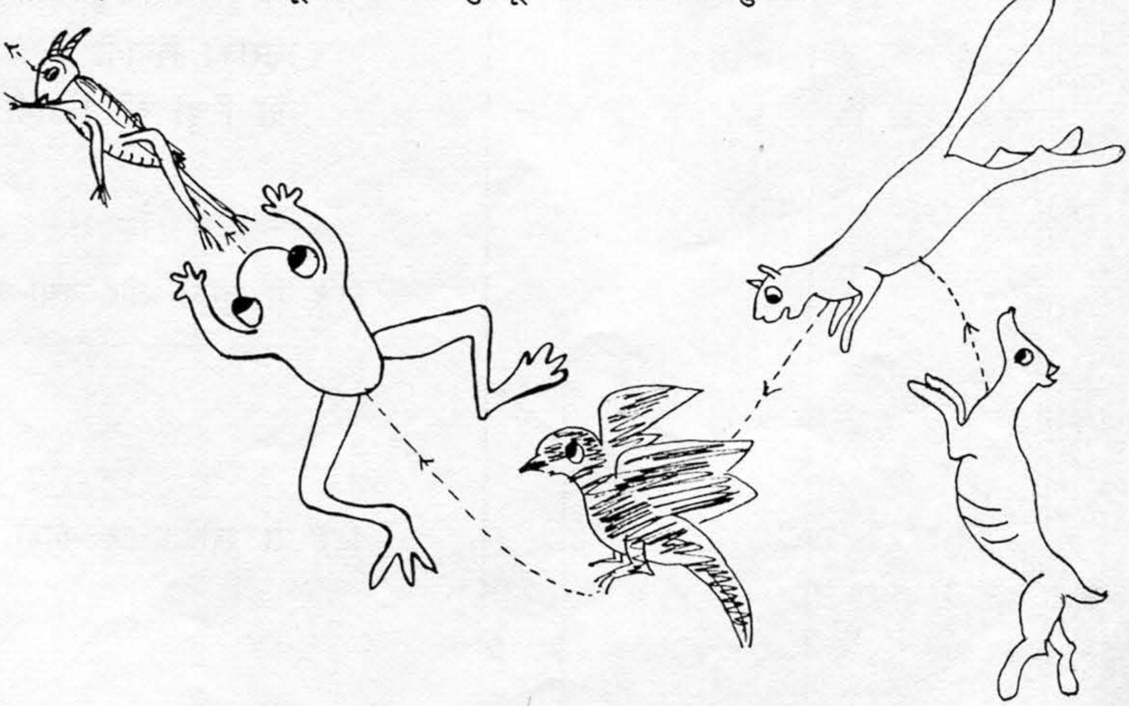

फिर आगे क्या हुआ ?

चित्र बनाओ।

मेंढक कूदा। बिल्ली कूदी।
बिल्ली कूदी। शेर कूदा।
कौन कूदा? कौन कूदी?

कूदा	कूदी

तुम सब ने टिड्डा देखा होगा।
टिड्डा क्या खाता है?
टिड्डा कहां रहता है?

बाहर जा कर टिड्डा ढूंढो।
टिड्डा कैसे फुदकता है?
उसकी कितनी टांगें हैं? ______
दो टिड्डों की कितनी टांगें होंगी?
______

टिड्डे में तुमने और क्या-क्या देखा?

टिड्डे से छोटे चार कीड़ों का नाम लिखो।

लड्डू बांटो

कितने डिब्बे ?

कितने बच्चे ?

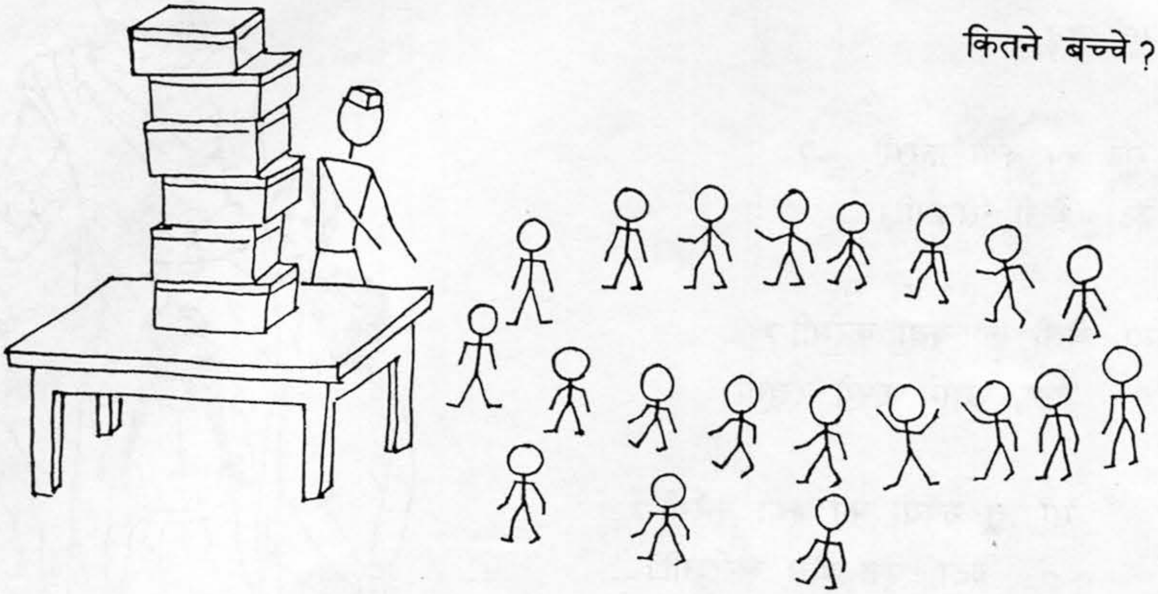

एक डिब्बे में ५ लड़डू हैं।

कुल कितने लड़डू हुए ?

अगर हर बच्चे को एक लड़डू दिया जाए तो कितने डिब्बे खर्च होंगे ?

कितने बचेंगे ?

पच्चीस बच्चों के लिए कितने डिब्बे चाहियें ?

पंद्रह बच्चों के लिए कितने डिब्बे चाहिए ?

बारह डिब्बों से कितने बच्चों को एक एक लड्डू दिया जा सकता है ?

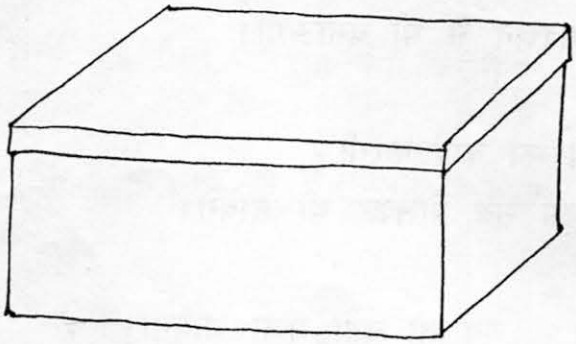

एक डिब्बे में 20 रसगुल्ले हैं।

अगर हर बच्चे को चार रसगुल्ले दिए जाएं तो एक डिब्बे से कितने बच्चों को मिलेंगे ?

डोकरी मां

डोकरी मां, डोकरी मां -- क्या करे है?
बेटा, सुई ढूंढूं।

मां, सुई को क्या करेगी ?
बेटा, थैली सिऊंगी।

मां, थैली को क्या करोगी?
बेटा, उसमें रुपये रखूंगी।

मां, तू रुपयों का क्या करेगी?
बेटा, एक भैंस खरीदूंगी।

मां, भैंस का क्या करेगी?
बेटा,भैंस का दूध लगाऊंगी।

मां, दूध का क्या करेगी?
बेटा, दूध से दही जमाऊंगी।

मां, दही का क्या करेगी?
बेटा, बिलोकर मक्खन निकालूंगी।

मां, मक्खन का क्या करेगी?
बेटा, मक्खन से घी बनाऊंगी।

मां, घी का क्या करेगी?
हम सब मिलकर घी खायेंगे।

तब तो बड़ा मजा आयेगा!
हा, हा, हा।

इस कविता को नाम दीजिए

डोकरी मां सुई क्यों ढूंढ रही थी?

डोकरी मां भैंस क्यों खरीदना चाहती थी?

डोकरी मां रुपये किसमें रखेगी?

दूध से क्या-क्या बनता है?

खाली जगह भरो

डोकरी मां थैली _ _ _ _ _ _ _ ।

(जमायेगी/सियेगी/खायेगी)

डोकरी मां घी — — — — — खायेगी।

(अकेले/बांटकर/छिपकर)

डोकरी मां रुपये से — — — खरीदेगी।

(बीज, भैंस, ठेला, मोटर)

"मां" शब्द जहां भी आया है, उसके नीचे लाईन खींचो।

सही क्रम में लिखो

मक्खन से घी
सुई से थैली
रुपये से भैंस
दही से मक्खन
दूध से दही
भैंस से दूध
थैली में रुपये

- अगर डोकरी मां रुपयों से हाथी खरीदती तो क्या होता?
- अगर तुम्हें सुई मिले तो तुम क्या करोगे?
- अगर तुम्हें रुपये मिलें तो तुम क्या करोगे?

चूजे और खोखे

सुक्कू, टिल्लू और मुन्नी ने कहा कि वो खोखों में चूजे भरेंगे। हर खोखे में एक भरेंगे। मुन्नी अपने खोखे ठीक से जमा रही है। सुक्कू ने भी चूजे रखना शुरू कर दिया है। टिल्लू तो अपने चूजों को पकड़ने में लगा है। सब को अपने घेरे के चूजों को खोखों में भरना है।

हर एक के चूजों को उसके खोखों में भरो। हर खोखे में एक। किसके खोखे ज्यादा ऊपर तक भरे।

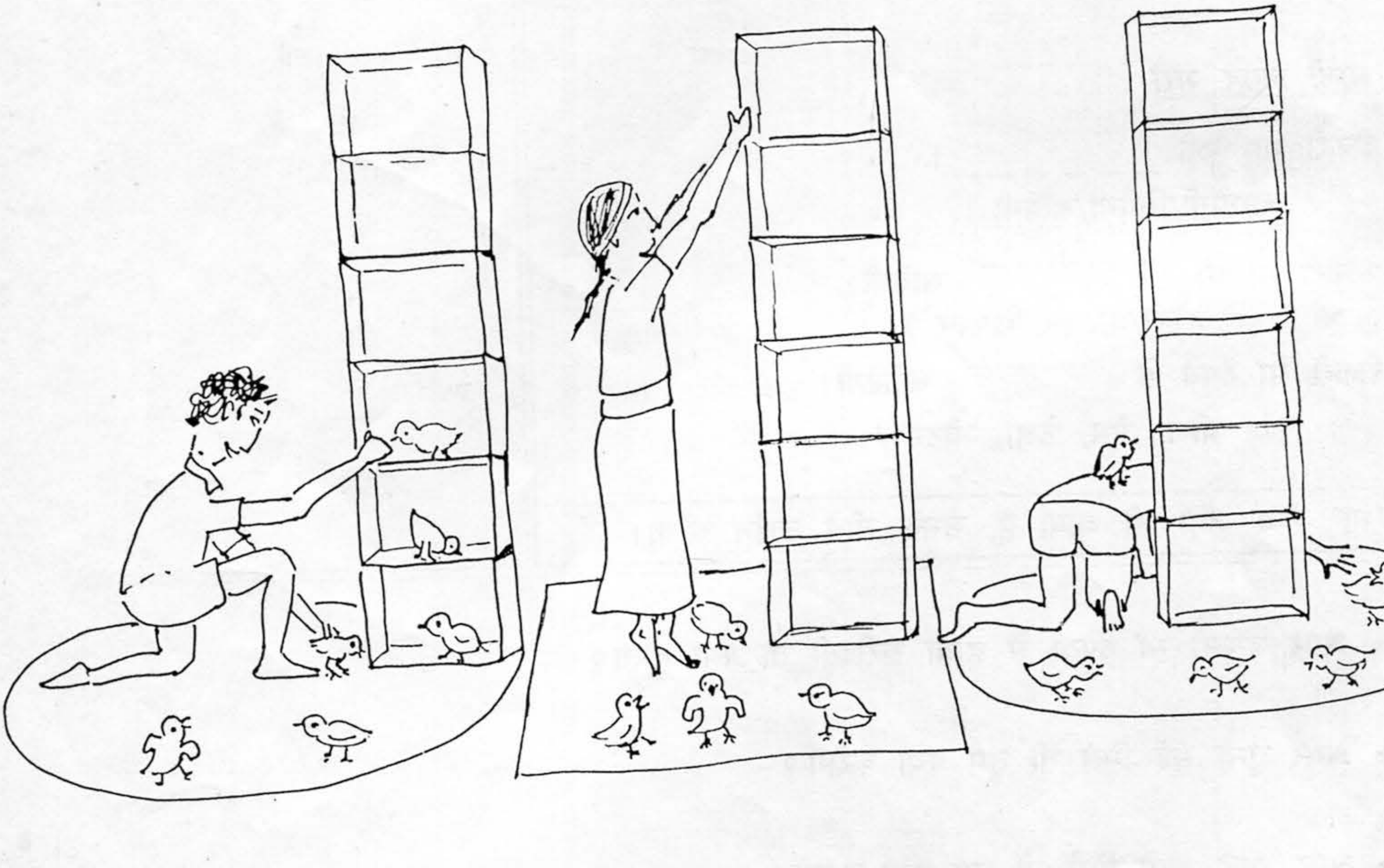

घोलचू और उसके दोस्त बहुत कुछ उठा लाए और लगे पानी में घोलने। कुछ चीजें तो घुल गई। कुछ को घोलचू अभी तक घोल रहा है।

तुम बताओ कौन सी चीजें घुली होंगी कौन सी नहीं।

चाहो तो खुद कर के देखो।

घुल गई

नहीं घुलीं

जंगली घास, कंटीली झाड़ी और नागफनी

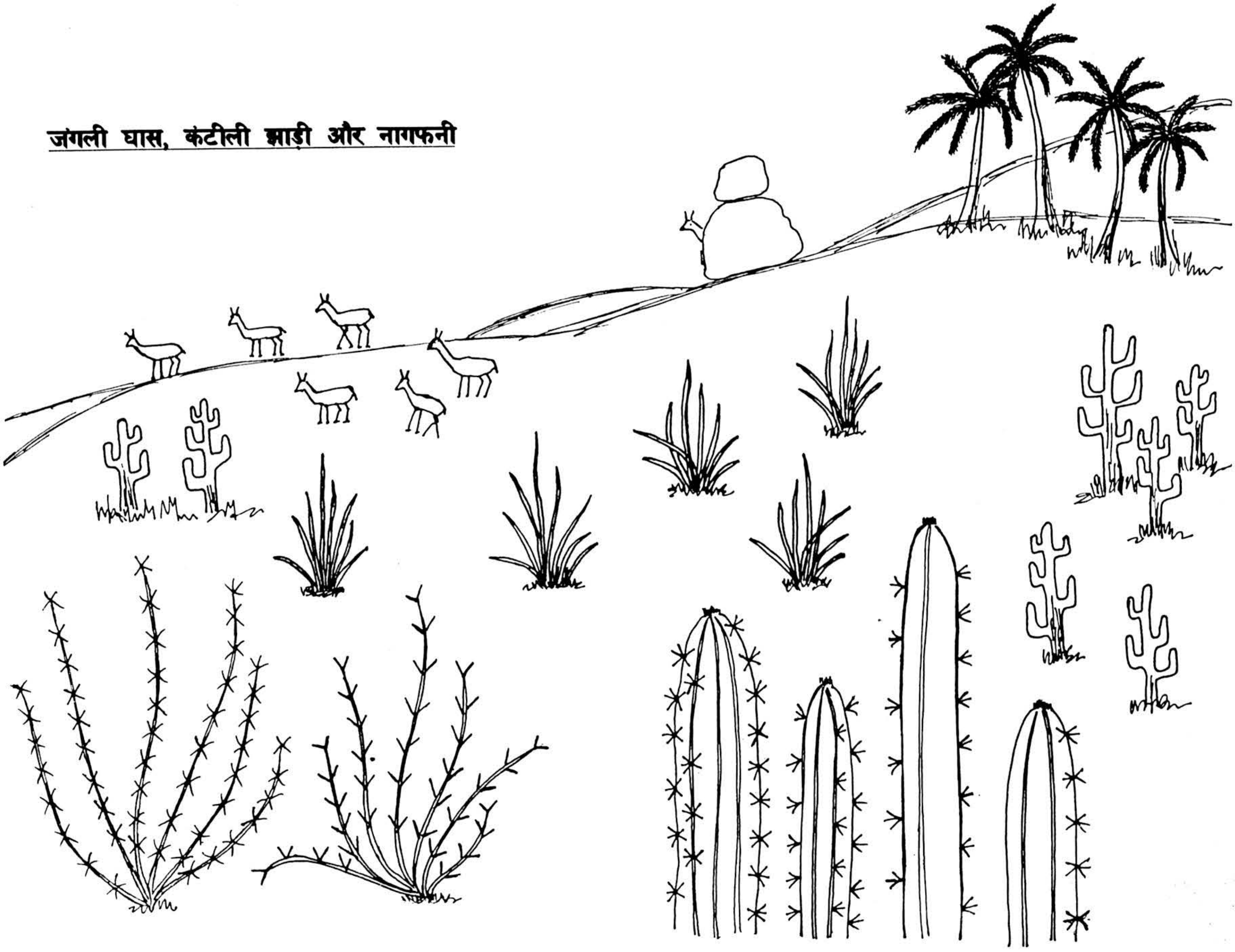

इस चित्र में कौन से बर्तन मिट्टी के बने हैं?

शरीर नापो

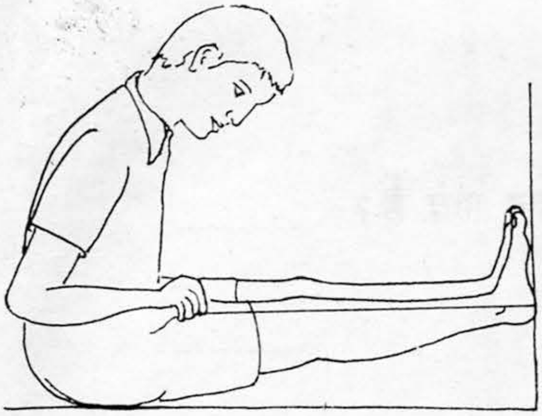

क्या तुम रस्सी से अपनी टांग
की लम्बाई नाप सकते हो?
कितने बित्ते लम्बी है तुम्हारी टांग?

इस चौकोर में लिखो। ( ) बित्ते

कंधे से कलाई तक की लम्बाई रस्सी से नापो।

गले की गोलाई कितने बित्ते आई

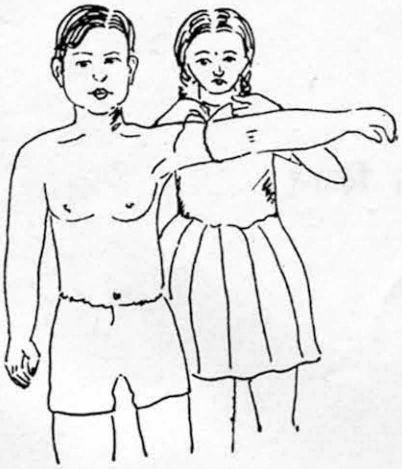

बांह की गोलाई ( )

कलाई की गोलाई ( )

जांघ की गोलाई ( )

पांव की लम्बाई ( )

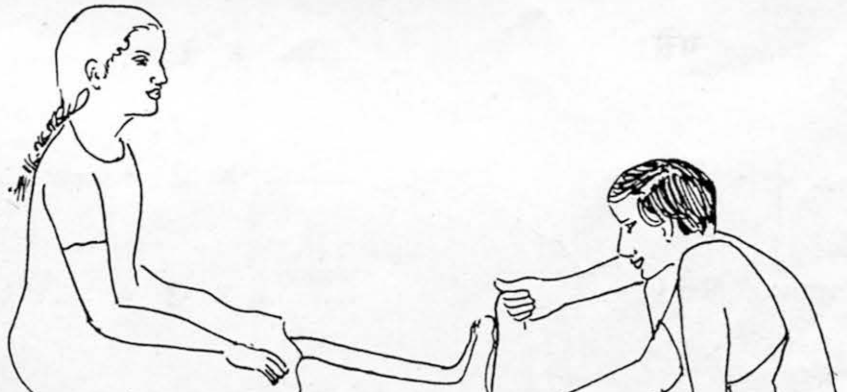

तुम्हारा कान ज्यादा लम्बा है कि नाक ज्यादा लम्बी है ?

इस चित्र में क्या क्या हो रहा है?

एक पौधे पर कितने फूल हैं ? --------- कुल कितने पौधे हैं? ----------

कुल कितने फूल हैं ? ---------- × ------------

गिन कर जांच करो। ---------------

हर तितली को बराबर बराबर फूल देने हैं।

एक तितली को कितने मिलेंगे। ------------------

क्या पौधों की डाल पर पत्तों की संख्या बराबर है?

सबसे अधिक कितने पत्ते हैं? सबसे कम कितने?

किन किन डालों पर अधिक पत्ते हैं? उनमें हरा रंग भरो।

स्लेट पर बढ़ाओ :-

एक बड़ी डाल .... पत्ते। .... x 1 = ...

दो बड़ी डाल .... पत्ते। .... x 2 = ...

तीन बड़ी डाल .... पत्ते। .... x 3 = ...

छोटी डालों पर पत्तों की संख्या, पौधों पर फूलों की संख्या को गिन कर इसी तरह से लिखो।

गौरैय्या, तोता, बगुला, खरगोश क्या क्या खाते हैं, पता करो।